B-3
L-14
Indian Society

12-12-2023

वैश्वीकरण का भारतीय धर्म पर प्रभाव

A. सकारात्मक प्रभाव

1. वैश्वीकरण - आधुनिक शिक्षा तथा तार्किक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रसार

⇩

फलतः धर्म का तार्किकीकरण और धर्म से संबंधित रूढ़िगत मान्यतायें कमजोर

2. वैश्वीकरण - धर्म का व्यापारीकरण तथा संचार क्रांति द्वारा धर्म का प्रसार

⇩

फलतः धार्मिक मान्यताओं का जन-जन तक पहुंच एवं पुनः प्रचलन, स्थानीय धार्मिक परंपराओं का राष्ट्रीयकरण और उन्हें नई पहचान प्राप्त

3. वैश्वीकरण जनित पहचान का संकट तथा धर्म का व्यापारीकरण, फलतः धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद में वृद्धि

⇩

फलतः मानव की भलाई में धर्म के सकारात्मक पक्ष का प्रयोग संभव (बाबा रामदेव द्वारा

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

योग और आयुर्वेद का प्रचार, रविशंकर द्वारा आर्ट ऑफ लिविंग का प्रचार आदि)

4 वैश्वीकरण - धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद में वृद्धि

⇩

फलतः व्यक्ति के पहचान संकट का समाधान संभव

5. वैश्वीकरण - उपभोक्तावाद फलतः प्रतिस्पर्धा एवं व्यक्तिवादिता में वृद्धि फलतः पारिवारिक विघटन, एकाकीपन, मानसिक तनाव एवं कुंठा में वृद्धि

⇩

फलतः व्यक्ति के तनाव एवं कुंठा को दूर करने के साधन के रूप में धर्म के महत्व में वृद्धि फलतः ढेर सारे कल्ट एवं सेक्ट का विकास

B नकारात्मक प्रभाव -

1. वैश्वीकरण - बाजार अर्थव्यवस्था द्वारा धर्म का बाजारीकरण

⇩

फलतः धर्म में ढेर सारे बाबाओं एवं पुजारियों का उद्भव एवं धर्म के नाम पर शोषण तथा धर्म में बाह्य आडम्बर में वृद्धि और

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

धर्म का मौलिक पक्ष कमजोर

2. वैश्वीकरण - पहचान का संकट फलतः धर्म के महत्व में वृद्धि

⇩

फलतः राजनीतिक दलों द्वारा, कट्टरपंथी व्यक्तियों द्वारा एवं संगठनों द्वारा धर्म का दुरूपयोग फलतः धार्मिक कट्टरतावाद एवं सांप्रदायिकता में वृद्धि

3. वैश्वीकरण - धर्म का बाजारीकरण, धर्म का राजनीतिकरण, धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद तथा धार्मिक कट्टरतावाद में वृद्धि

⇩

फलतः धर्मनिरपेक्षीकरण की प्रक्रिया कमजोर

4. वैश्वीकरण - आर्थिक विषमता, गरीबी एवं वंचन में वृद्धि और वंचित समूह धार्मिक आधार पर स्वयं को संगठित करके क्रियाशील

⇩

फलतः संप्रदायिकता में वृद्धि, धार्मिक कट्टरतावाद में वृद्धि और धार्मिक आतंकवाद में वृद्धि

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR